JAGRAN Josh
your guide to success

WWW.JAGRANJOSH.COM

Sanskrit Literature Syllabus for Uttarakhand State Civil Services Main Exam-2011

SANSKRIT LITERATURE

प्रथम–प्रश्न पत्र PAPER-I

खण्ड "क"– भाषा विज्ञान

SECTION A: Linguistics

भाषा का उद्भव और विकास, भाषाओं का वर्गीकरण, भारोपीय एवं मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं तथा कारण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में मानवीय वाग्यन्त्र, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की तुलना।

Origin and development of Language, Classification of languages, Indo-European and Middle Indo-Aryan Languages, Somantics, Phonology, Phonetic changes, Human वाग्यन्त्र with special refrence to Sanskrit phonology, Comparision of Vedic and Classical Sanskrit Languages.

खण्ड "ख"–संस्कृत व्याकरण

SECTION B: Sanskrit Grammer

सन्धि, समास, कृदन्त, तद्धित and कारक तिवउ the Laghusiddhanta- Kaumudi.

खण्ड "ग"–भारतीय दर्शन

SECTION C: Indian Philosophy.

निम्नलिखित पाठ्यग्रंथों के आधार पर भारतीय दर्शन का सामान्य अध्ययन :

General study of Indian Philosophy based on the following:

तर्कभाषा of केशवमिश्र (अनुमानपर्यन्त), सांख्यकारिका of ईश्वरकृष्ण, वेदान्तसार of सदानन्द, कठोपनिषद्–प्रथम अध्याय द्वितीया वल्ली मात्र, श्री मद्भगवतगीता–द्वितीय अध्याय मात्र।

खण्ड "घ"–काव्यशास्त्र :

SECTION D: Poetics

(a) आन्नदवर्धन कृत ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत ध्वनि और उसके भेदों सामान्य अध्ययन।

General study of ध्वनि and its types based on the ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) आन्नदवर्धन।

(b) मम्मट कृत काव्य प्रकाश में निम्नलिखित विषय :

The following topics from the काव्यप्रकाश of मम्मट काव्य–प्रयोजन, काव्यलक्षण, काव्यभेद, शब्दशक्ति, रस, गुण तथा अनुप्रास, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अपह्नुति, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, समासोक्ति, दीपक, काव्यलिंग एवं परिसंख्या अलंकार।

खण्ड"ड." संस्कृत में निबन्ध :

SECTION E: Essay in Sanskrit

संस्कृत में निबन्ध 250 शब्दों से कम का नहीं होना चाहिए।

The essay in Sanskrit should not be of less than 250 words.

द्वितीय–प्रश्न पत्र PAPER-II

खण्ड "क" : गद्य एवं पद्य :

SECTION A: Prose and Poetry.

निम्नलिखित पाठ्य ग्रथों का अध्ययन :–

Textual study of the following works:

1. अभिज्ञान शाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) 2. उत्तरामचरितम् (तृतीय अंक) 3. प्रतिमानाटकम् (प्रथम अंक) 4. मृच्छकटिकम् (प्रथम अंक)

खण्ड "ग" : पारिभाषिक पद :

SECTION C: Technical Terms

संस्कृत के निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान:

Knowledge of the following Sanskrit technical terms:

महाकाव्य, खण्डकाव्य, कथा, आख्यायिका, चम्पू, प्रस्तावना, विष्कम्भक, प्रवेशक, सूत्रधार, वस्तुभेद, नायक भेद, विदूषक, पीठमर्द, विट, चेट, पताकास्थान, अर्थप्रकृति, कार्यावस्था, पंचसंधि, नियत श्राव्य, स्वगत, जनान्तिक, आकाशभाषित, रूपकभेद, नेपथ्य, प्रेक्षागृह, मत्तवारणी।

खण्ड "घ" : संस्कृत साहित्य का इतिहास :

SECTION D: History of Classical Sanskrit Literature

निम्नलिखित साहित्यिक विधाओं का उद्भव, विकास और उनकी विशेषताएं :

Origin development and characterstics of the following literary geneses:

निम्नलिखित साहित्यिक विधाओं का उद्भव, विकास और उनकी विशेषताएं :

Origin development and characterstics of the following literary geneses:

आर्षमहाकाव्य, महाकाव्य (ऐतिहासिक महाकाव्य सहित), गद्य, नाटक, चम्पू एवं गीतिकाव्य।

टिप्पणी :– इस खण्ड में 25 अंको का एक प्रश्न विशिष्ट रचना/रचनाकार के विषय में टिप्पणी के रूप में प्रष्टव्य होगा।

Note: In this section one question carrying 25 marks will be asked in the form of short note on particular work/author.

खण्ड "ङ" : हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

SECTION E: Translation from Hindi into Sanskrit.